

श्रीआनंदाय नमः श्रीपुण्ड्रानंदा
येनमः परमदाता जयजयआनंद
कंद ॥१॥ दत्तात्रय ॥२॥ शैवब्रह्मन
द ॥३॥ ज्योतिस्वरूप ॥४॥ नीपत्रांत
आनंद ५ घननीरंजेन ॥६॥ पराआ
नंद ७ ॥ नीर्गुनमृता आनंद ८ ॥ आ९
व्यक्तमुक्तनीर्गुननीश्वेत आनंद
कैलाधर ९ ॥ नीर्गुनमुक्तसुमुक्तअ
नंद १० ॥ कैवल्यकंदता नंद ११ ॥ १२

श्रीमायाकृत्वाऽनोमनसदेवीआन
दबंदसृतिआनंद१२॥ईश्वरसची
दानंदआनंद१३स्वरूपमायाआ
कलेआनंदब्रह्मसदाआनंद१४॥२
ब्रह्मदयाआच्युतानंद१५॥साश्वे
ब्रह्मपराआनंद१६शैवनीर्गुनआ
द्वैतआनंद१७॥सांख्यब्रह्मकेवल
प्रेमदाताआनंदकदआनंद१८के
वल्यनगरतेथवसेचेऋथरच

केसुरत्वामीआवतारशाहादत
आनंद१९॥चेऋथरधनपानपा
चत्पहीतआनंद२०आनुष्मृतिआ
नंतआनंद२१आह्ननआह्नोत
आनंद२२प्रवृत्तिआगम्यआनंद
२३करुणास्वयंश्रआनंद२४॥९
चेऋथरआखआनंद२५॥वी
कोरआनुपम्यआनंद२६श्रीरु

कृष्ण आच्युत आनंद २७ आ वद्रस्य
 आ गम्य आनंद २८ आ कृ माया २
 आ कृ प्रकार आ कृ आनंद २९
 परा माया प्रकार बहुत आनंद ३०
 विवेह माया की विवे सता आनंद
 ३१ ब्रंज माया ब्रंज भर प्रर आनंद स्व
 ३२ पचव गत्र साहवा मुं गुण गुण
 ना आ कृ कृ कृ के ना आ खंड आनंद
 ३३

शृगो देव माया मुख ब तिस सं
 त जा रा ग ती र वु न सु र वा आ नंद
 ३५ ॥ ब्रं ह्म आ नंद आ च्यु त आ
 व्य कृ आव क्री या आ म त आ म
 ती मृ तेषु भु बु ध नी ल्य मु क् नी स
 आ भी मा नी पर तो पर सा क्षी तो स
 र्व जी धा पा त का पा मु न मु च्य ती वा
 कृ हा ल्य ब्र ह्म ह्य आ स्त्री हा ल्या ८

आनेक जीव हाया मुच्यते नाना
दोशादी करोग सर्वे अपकर्म मु
च्यते सापाना कीष हारती सयं
सयंदत जयची साक्षी श्री शाहा
दत आत्म मा प्रभु की द्वा ही सर्व
हा हा मुच्यती आनंद जे खेवती स
आनंद जानी जे नीचे द्ददत सक्षे स
ये सये पुन्हा न्हा सये ईती बती ८

कथा प्रो नम ज्यन्तं क संगत क्रो
दुर सदा मी लरं हे पां क कर्म की प्रोत
कु हरी संगं हा र्व के वा ता रूप क्रया ॥
को ही रष्या ली प्रभुरा ज मा रा ज धर्मी
बडा की बडा घी जं भी फु ल न की व
स स दा मी कर हे यो ग य म मे कर
म म म म

सर्वानन्दस्य पुनर्नमस्तु सुप्रभ
वत्तु श्रीगुरुदेवार्पणमस्तु ॥६५॥